भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1468

दिनांक 03.05.2016/13 वैशाख, 1938 (शक) को उत्तर के लिए

आईपीएस अधिकारियों की कमी

†1468. श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :
श्री पी० आर० सेनथिलनाथन :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों में और चालू वर्ष के दौरान भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) संवर्ग में नियमित रिक्रूटों (आरआर) की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;
(ख) क्या देश में आईपीएस अधिकारियों की कमी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कुल रिक्त पद कितने हैं;
(ग) क्या सरकार ने आईपीएस अधिकारियों के सभी रिक्त पदों को भरने हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) उक्त अवधि के दौरान राज्य पुलिस सेवा के कुल कितने अधिकारियों को आईपीएस में शामिल किया गया है;
(ङ) क्या उक्त कमी को दूर करने हेतु राज्य पुलिस सेवा और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के अधिकारियों को आईपीएस में शामिल करने में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) क्या सरकार का इस संबंध में एक विशेष भर्ती अभियान आयोजित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) सरकार द्वारा देश में आईपीएस अधिकारियों की संख्या में वृद्धि कराने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री किरेन रिजिजू)

(क) : गत तीन वर्षों के दौरान सीएसई-2011 से 2013 के माध्यम से और चालू वर्ष के दौरान सीएसई-2014 के माध्यम से आईपीएस में भर्ती संवर्ग-वार रिक्ति के आधार पर की गई है, जैसाकि अनुलग्नक-I और II में दिया गया है।

(ख) : दिनांक 01.01.2016 की स्थिति के अनुसार भारतीय पुलिस सेवा में राज्य-वार रिक्ति की स्थिति अनुलग्नक-III में संलग्न है।

(ग) से (छ) : आईपीएस अधिकारियों की रिक्तियों को भरने के लिए, आईपीएस (प्रत्यक्ष भर्ती) के बैच-आकार को सीएसई-2005 में 88 से बढ़ाकर 103, सीएसई-2008 में 130 और सीएसई-2009 में 150 कर दिया गया है। उपर्युक्त के अलावा, राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नति के द्वारा भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्ति की प्रक्रिया को तेज किया गया है।

गत तीन वर्षों के दौरान निम्नलिखित राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में शामिल किया गया है:-

क्रम संख्या	अधिकारियों की संख्या
2013	213
2014	90
2015	92
2016(दिनांक 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार)	31
कुल	426

आईपीएस की कैडर संख्या को अंतिम रूप देते समय सभी पदों को नियमित भर्ती और राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) से पदोन्नति के बीच बांटा जाता है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में नियमित भर्ती और पदोन्नति के पदों के वर्तमान अनुपात को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

अनुलग्नक-I के पृष्ठ 1 का 1
लोक सभा अता० प्र० सं० 1468

सीएसई-2011 से 2013 के माध्यम से गत तीन वर्षों के दौरान भारतीय पुलिस सेवा में भर्ती का राज्य/संवर्ग-वार ब्यौरा

क्रम सं.	संवर्ग का नाम	सीएसई-2011	सीएसई -2012	सीएसई -2013
1.	ए जी एम यू टी	13	11	11
2.	आन्ध्र प्रदेश	7	6	7
3.	असम-मेघालय	6	7	7
4.	बिहार	6	8	7
5.	छत्तीसगढ़	2	4	4
6.	गुजरात	6	6	7
7.	हरियाणा	3	5	4
8.	हिमाचल प्रदेश	3	3	3
9.	जम्मू और कश्मीर	3	4	4
10.	झारखंड	4	5	5
11.	कर्नाटक	7	7	6
12.	केरल	4	4	4
13.	मध्य प्रदेश	7	9	10
14.	महाराष्ट्र	11	9	9
15.	मणिपुर-त्रिपुरा	6	5	6
16.	नागालैंड	6	4	4
17.	ओडिशा	4	6	5
18.	पंजाब	5	5	5
19.	राजस्थान	4	5	5
20.	सिक्किम	1	1	0
21.	तमिलनाडु	8	8	8
22.	उत्तर प्रदेश	18	17	17
23.	उत्तराखंड	1	2	2
24.	पश्चिम बंगाल	15	9	10
कुल		150	150	150

****

अनुलग्नक-।। के पृष्ठ 1 का 1
लोक सभा अता० प्र० सं० 1468

सीएसई – 2014 के माध्यम से चालू वर्ष के दौरान भारतीय पुलिस सेवा में भर्ती का राज्य/संवर्ग-वार ब्यौरा

क्रम सं.	संवर्ग का नाम	सीएसई -2014
1.	ए जी एम यू टी	10
2.	आन्ध्र प्रदेश	4
3.	असम-मेघालय	7
4.	बिहार	7
5.	छत्तीसगढ़	4
6.	गुजरात	6
7.	हरियाणा	5
8.	हिमाचल प्रदेश	3
9.	जम्मू और कश्मीर	4
10.	झारखंड	4
11.	कर्नाटक	6
12.	केरल	5
13.	मध्य प्रदेश	9
14.	महाराष्ट्र	9
15.	मणिपुर	4
16.	नागालैंड	3
17.	ओडिशा	6
18.	पंजाब	5
19.	राजस्थान	5
20.	सिक्किम	1
21.	तमिलनाडु	7
22.	तेलंगाना	3
23.	त्रिपुरा	2
24.	उत्तर प्रदेश	19
25.	उत्तराखंड	2
26.	पश्चिम बंगाल	10
कुल		150

****

अनुलग्नक-III के पृष्ठ 1 का 1

लोक सभा अता० प्र० सं० 1468

दिनांक 01.01.2016 की स्थिति के अनुसार आईपीएस अधिकारियों की राज्य-वार संख्या

क्रम.सं.	राज्य	स्वीकृत संख्या	तैनात	रिक्त पद
01.	आन्ध्र प्रदेश	144	122	22
02.	एजीएमयूटी	295	245	50
03.	असम-मेघालय	188	149	39
04.	बिहार	231	188	43
05.	छत्तीसगढ़	103	89	14
06.	गुजरात	195	160	35
07.	हरियाणा	137	105	32
08.	हिमाचल प्रदेश	89	71	18
09.	जम्मू और कश्मीर	147	91	56
10.	झारखंड	149	111	38
11.	कर्नाटक	215	143	72
12.	केरल	163	122	41
13.	मध्य प्रदेश	305	249	56
14.	महाराष्ट्र	302	239	63
15.	मणिपुर	89	59	30
16.	नागालैंड	70	49	21
17.	ओडिशा	188	109	79
18.	पंजाब	172	144	28
19.	राजस्थान	215	188	27
20.	सिक्किम	32	26	06
21.	तमिलनाडु	263	223	40
22.	तेलंगाना	112	96	16
23.	त्रिपुरा	65	54	11
24.	उत्तर प्रदेश	517	403	114
25.	उत्तराखंड	69	60	09
26.	पश्चिम बंगाल	347	259	88
	2015 बैच के आईपीएस परिवीक्षणाधीन		140	-140
		4802	3894	908

****